वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 55 | गुरुवार 19 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चतुर्थ

॥ पुण्यस्मरण ॥

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

चले गए अपने घर से, पर दिल से दूर नहीं। रूखसत हुए दुनिया से,
लेकिन हम से दूर नहीं हम जब उन्हें याद करते है,
हमें अपने साथ होने का अहसास दिला जाते हैं ।।

:: श्रद्धावनत ::

राकेश-समता गोदिका एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

दैनिक समाचार जगत के संस्थापक

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

की पुण्यतिथि पर हम सभी संस्था
के सदस्य भावभीनी श्रद्धांजलि
अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

समस्त स्टॉफ
दैनिक समाचार जगत
प्रातःकाल एवं सायंकाल

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

हमारे परम आदरणीय मार्ग दर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

छाया मिले आपकी हरदम सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर सदा आपका आर्शीवाद हो।।
आपकी चतुर्थ पुण्यस्मृति पर शत् शत् नमन

: श्रद्धावनत :

जे के जैन
डॉ. करेश, पुनीत पाटनी
एवं समस्त पाटनी परिवार कालाडेरा
नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

चर्तुथ पुण्य-स्मरण

हमारे परम आदरणीय मार्ग दर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

छाया मिले आपकी हरदम सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर सदा आपका आर्शीवाद हो।।
आपकी चतुर्थ पुण्यस्मृति पर शत् शत् नमन

: श्रद्धावनत :

अजय कटारिया,
विजय कटारिया,
संजय कटारिया

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

हमारे संस्थान के आधार स्तम्भ, मार्ग दर्शक, प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

की पुण्यतिथि पर हम सभी संस्था
के सदस्य भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर
सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

हमारे परम आदरणीय मार्गदर्शक एवं पिता तुल्य

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

जीवन पथ पर प्रेरणा हो आप, यादों में
खुशनुमा एहसास हो आप,
पास नहीं तो हर पल हमारे साथ हो आप।।

: श्रद्धावनत :

राजकुमार- कमला गोधा, दीपक- दीपा गोधा,
चहल, हर्षल एवं
समस्त गोधा परिवार काशीपुरा वाले

गोधा पब्लिसिटी 9828270282, 9829020788

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

हमारे परम आदरणीय मार्ग दर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

छाया मिले आपकी हरदम सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर सदा आपका आर्शीवाद हो।।
आपकी चतुर्थ पुण्यस्मृति पर शत् शत् नमन

: श्रद्धावनत :

प्रमोद - नीना पहाडिया,
मोहित - नम्रता राणा,
विनोद (मोनू) - रवीना छाबडा

चर्तुथ पुण्य-स्मरण

हमारे प्रिय कंवर साहब

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

छाया मिले आपकी हरदम सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर सदा आपका आर्शीवाद हो।।
आपकी चतुर्थ पुण्यस्मृति पर शत् शत् नमन

: श्रद्धावनत :

राजकुमार, मनोज,
विकास, हार्दिक
एवं समस्त छाबड़ा परिवार
बांदीकुई वाले

चर्तुथ पुण्य-स्मरण

तीर्थ क्षेत्र आंवा के परामर्शक एवं सहयोगकर्ता
समाजभूषण

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

आपकी चतुर्थ पुण्यस्मृति पर
शत् शत् नमन

: श्रद्धावनत :

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन
सुदर्शनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र आंवा,
जिला टोंक (राज.)

कर्मयोगी राजेन्द्र के. गोधा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...

कर्मयोगी राजेन्द्र के. गोधा की यादें आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं, वे हमेशा निष्पक्ष, निर्भीक और सटीक पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे

जयपुर. शाबाश इंडिया। समाचार जगत के संस्थापक एवं समाजभूषण स्व. राजेन्द्र के. गोधा आज से चार वर्ष पूर्व इस नश्वर जगत को अलविदा कह गए थे। उनकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर, हम सभी शोक संतप्त हृदय से उस पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। गोधा जी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई ऊंचाईयों को छुआ था। उनकी लेखनी ने न केवल समाज को जागरूक किया, बल्कि सत्य और न्याय की आवाज को बुलंद किया। वे हमेशा निष्पक्ष, निर्भीक और सटीक पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। उनकी उपस्थिति ने हमें सिखाया कि एक सच्चे पत्रकार का कर्तव्य क्या होता है और किस प्रकार अपने काम के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। उन्होंने अपने लेखों और खबरों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का महान कार्य किया। उनकी पत्रकारिता ने हमेशा समाज के दबे-कुचले और पीड़ित वर्ग की आवाज को बुलंद किया। गोधा जी के जीवन का मकसद एक ही था कि किसी की आंख में आंसू न आए और इसी पुण्य कार्य में वे जीवनभर लगे रहे। उन्होंने ''परहित सरिस धर्म नहीं भाई'' रामचरित मानस की उपरोक्त पंक्तियों के अनुसार अपना जीवन व्यतीत किया। गोधा जी ने कठोर परिश्रम से समाज में अपनी अलग पहचान बनाई। गोधा जी का जीवन और उनका कार्य हमें यह सिखाता है कि किस प्रकार एक पत्रकार को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उनकी दृढ़ निष्ठा और समर्पण ने हमें हमेशा प्रेरित किया है। उनकी उपस्थिति ने हमारे समाज को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गोधा जी के द्वारा किए गए विभिन्न उत्कृष्ट कार्यों के लिए इन्हें राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर ''समाज रत्न'', 'समाज भूषण', 'जैन रत्न', 'युवा रत्न एवं कर्मयोगी' व 'राजस्थान श्री' की उपाधि से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पत्रकारिता व सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों के लिए चार सौ से अधिक विभिन्न संस्थाओं के द्वारा सम्मानित किया गया। गोधा जी सक्रियता एवं कार्य शैली व जिम्मेदारी पूर्ण भूमिका निभाने की वजह से अन्तिम समय तक कई शैक्षणिक, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं में पदासीन रहे। राजस्थान जैन सभा के समन्वयक बनकर सराहनीय कार्य किया। गोधा जी ऐसे कर्मयोगी थे जिन्होंने जीवन में सत्कर्म को ही श्रेयस्कर माना। चतुर्थ पुण्यतिथि पर ऐसे कर्मयोगी को एकबार पुनः अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

चतुर्थ पुण्यतिथि

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

चले गए अपने घर से, पर दिल से दूर नहीं। रूखसत हुए दुनिया से, लेकिन हम से दूर नहीं
हम जब उन्हें याद करते है, हमें अपने साथ होने का अहसास दिला जाते हैं ।।

: श्रद्धावनत :

श्रीमती त्रिशला गोधा (धर्मपत्नी) शैलेन्द्र - प्रियंका (पुत्र-पुत्रवधु),
डोली (पुत्री), निशांत (पुत्र), दिविक (पौत्र), विया (पौत्री),
समन, रानी (दोहिता-दोहिती), श्रीमती शान्ती देवी गोधा (भाभी),
सतीशचन्द्र नीलिमा,तेज प्रकाश-सुरेखा (भाई-भाभी), भागचंद जी जैन अत्तार,
दीनदयाल जी पाटनी (बहनोई), चित्रा - जिनेन्द्र जी जैन (बहन-बहनोई),धीरेन्द्र - विनी,
नमन - लवी (भतीजा- भतीजा बहु) देवांश (पौत्र)
एवं समस्त गोधा परिवार, लदाना वाले

दैनिक समाचार जगत परिवार

(प्रातः कालीन - सायंकालीन)

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

परम समाज सेवी एवं समाज भूषण

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

की पुण्यतिथि पर हम सभी संस्था के सदस्य भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

श्री 1008 शांतिनाथ जयोदय अतिशय क्षेत्र ईशुरवारा जिला सागर

चतुर्थ पुण्य-स्मरण

परम समाज सेवी एवं समाज भूषण

स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा

संस्थापक, समाचार जगत

की पुण्यतिथि पर हम सभी संस्था के सदस्य भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

: श्रद्धावनत :

**पवन गोधा (सिद्धार्थ नगर),
प्रदीप लुहाडिया,
दीपक गोधा (गोधा पब्लिसिटी)**

वेद ज्ञान

संसार परिवर्तनशील है

यह संसार परिवर्तनशील है। इस संसार में कोई किसी का नहीं है। आप स्वयं में अकेले थे, हैं, और रहेंगे। जगत में संबंध बनते, बिगड़ते रहते हैं। स्मरण करें, जब आप प्रथम बार विद्यालय गए थे। दाखिला लेने के बाद उस विद्यालय में कितने लोगों से संयोग बना। कालांतर में धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए, नए-नए संबंध बनने लगे और पुराने टूटते गए। जगत में रहते हुए संयोग बनते ही रहते हैं और बिगड़ते भी जाते हैं। जब संयोग बना, तब भी आप थे और जब वियोग हुआ, तब भी आप ही स्वयं थे, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ। आप वहीं के वहीं रहे। आपका अस्तित्व किसी के साथ संबंध बनने व समाप्त हो जाने के अधीन नहीं है। संयोग बनना व वियोग होना तो सांसारिक प्रपंच मात्र है। हां, संसार में जीवित रहने पर लोगों से संबंध बनते अवश्य हैं, परंतु यह संदेह रहित है कि सत्यस्वरूप आप अकेले थे और अकेले ही रहेंगे। मनुष्य का पारिवारिक संबंध जिसे अति आत्मीय व रक्त का संबंध कहा जाता है, जो सांसारिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण व सशक्त माना जाता है, ये संबंध भी स्थाई नहीं हैं। इस सत्यता का प्रकटीकरण तभी हो पाता है, जब कोई सबसे निकटतम प्रियजन जिससे कोई मनुष्य अतिस्नेह करता हो, जिसे अपना कहते-कहते उसकी जीभ थकती नहीं, जब वह इस संसार से विदा हो जाता है, तब उस मनुष्य के मस्तिष्क को जोरदार झटका लगता है और यह सच्चाई प्रकट हो जाती है कि इस जगत में कोई किसी का नहीं है। सभी इस जीवन के मार्ग में सफर करते हुए यात्री मात्र हैं। तभी वह सोते से जागता है। ढका हुआ सत्य पूर्ण रूप से प्रकट होकर सामने आ जाता है। वह ठहरकर सोचने लगता है कि अरे मैंने तो सोचा था कि संसार से विदा हो जाने वाले से हमारा कभी संबंध विच्छेद होगा ही नहीं, यह केवल मेरा मिथ्या भ्रम ही था। इस सांसारिक जीवन यात्रा में लोग बदलते हैं, समाज बदलता है और दुनिया बदलती है, मनुष्य का समय व आयु भी परिवर्तित हो जाती है, परंतु सत्य स्वरूप आप स्वयं के स्वयं ही रहते हो। आप पूर्ण सत्य स्वरूप हो। आपका यह स्वरूप कभी परिवर्तित नहीं होगा। जब आप इस सत्य का गहनता से अनुभव करते हैं, तब आपको जीवन में किसी भी तरह के वियोग पर दुख नहीं होता।

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख

भारत आतंकवाद के खिलाफ सभी देशों को एकजुट करना चाहता है। साइप्रस, कनाडा और क्रोशिया की यात्रा से पहले प्रधानमंत्री का यह कहना इस मायने में महत्त्वपूर्ण है कि आतंकवाद के मुद्दे पर सभी देशों को एकजुट करने का यही अवसर है। उन्होंने यात्रा के पहले चरण में साइप्रस को चुन कर पाकिस्तान के मित्र तुर्किये को एक तरह से कूटनीतिक संदेश दिया है। दरअसल, भारत और साइप्रस के मसले लगभग एक

जैसे हैं। तुर्किये ने साइप्रस के वरोशा शहर पर ठीक उसी तरह से कब्जा कर रखा है, जिस तरह से पाकिस्तान ने कश्मीर के एक हिस्से पर। क्रोशिया की यात्रा में साइप्रस को शामिल करने के पीछे भारत की अपनी रणनीति है। गौरतलब है कि साइप्रस और भारत की समान वैश्विक चिंताएं हैं। आतंकवाद के खिलाफ भी उनका समान रुख है। दोनों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह युद्ध का युग नहीं। कोई दो मत नहीं कि दुनिया के कुछ हिस्सों में चल रहे संघर्ष को संवाद से ही टाला जा सकता है। भू-राजनीतिक तनाव के बीच प्रधानमंत्री ने साइप्रस के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद विश्व को यही संदेश दिया है। प्रधानमंत्री की यात्रा में सबसे अहम पड़ाव कनाडा है, जहां जी-7 शिखर सम्मेलन में उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष बताने के साथ वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर भी विचार रखने का अवसर मिलेगा। आपरेशन सिंदूर के बाद विश्व के नेताओं के बीच प्रधानमंत्री की यह पहली उपस्थिति है। सम्मेलन में साझेदार देशों से संबंध प्रगाढ़ करने के साथ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा व रक्षा सहित कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा से भारत के लिए नई राह खुलेगी। प्रधानमंत्री के दौरे से कनाडा से संबंध सुधरने की उम्मीद है। जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाए गए थे। जिससे दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ गई थी। शिखर सम्मेलन में भारत को न्योता देकर कनाडा ने वैश्विक कूटनीति को प्राथमिकता दी है। वह जानता है कि भारत उभरती ताकत है और उसके बिना सात देशों का विशिष्ट समूह अधूरा है।

परिदृश्य

खगोलीय तरक्की

केरल के थुंबा में मछली पकड़ने वाले एक शांत गांव के चर्चयार्ड से साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन देश इन ऊंचाइयों को छू लेगा। वह समय दृढ़ संकल्प का था, जब सितारों तक पहुंचने का सपना सीमित साधनों पर असीम महत्वाकांक्षा के साथ परवान चढ़ा। वह सपना विकसित होकर अब एक राष्ट्रीय मिशन का रूप अख्तियार कर चुका है और आज जब हम नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष के सफर पर गौर कर रहे हैं, तब भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में आमूल-चूल बदलाव आ चुका है। यह परिवर्तन केवल रॉकेट और उपग्रहों से संबंधित नहीं है, बल्कि यह लोगों के जीवन के बारे में है। यह दर्शाता है कि दूरदराज के गांव के किसान से लेकर डिजिटल कक्षा के छात्र तक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किस प्रकार रोजमर्रा की जिंदगी में खामोशी से शामिल हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी के रणनीतिक नेतृत्व में भारत ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की नए सिरे से परिकल्पना की है। साल 2014 से शुरू किए गए सुधारों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। 2020 में इन स्पेस की स्थापना ने निजी कंपनियों को अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, जिससे नवाचार की लहर उठी। आज 300 से भी अधिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्ट अप उपग्रह बना रहे हैं, प्रक्षेपण वाहन डिजाइन कर रहे हैं तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नेविगेशन के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले अनुप्रयोग विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप प्रौद्योगिकी ही नहीं सृजित कर रहे, खासकर टियर-2 व टियर-3 शहरों में युवा इंजीनियरों और उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। उदारीकृत अंतरिक्ष नीति ने अंतरिक्ष सेवाओं को अधिक किफायती व सुलभ बना दिया है, जिससे उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंच रहा है। भारतीय उपग्रह मौसम पूर्वानुमान में अहम भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदौलत किसानों को अपनी बुवाई व कटाई- चक्र की योजना सटीकता से बनाने में मदद मिल रही है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में उपग्रह डाटा प्रारंभिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन व आजीविका की रक्षा होती है। इसी तरह, सैटेलाइट बैंडविड्थ समर्थित ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म दूरदराज के गांवों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। बीते दशक में शुरू किए गए मिशनों ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। मंगलयान हमारी इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता पर मुहर लगाते हुए अपने पहले ही प्रवास में मंगल पर पहुंच गया। चंद्रयान- 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरा और इसके रोवर ने ऐसे प्रयोग किए, जो भविष्य के चंद्र मिशनों को महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करेंगे। आदित्य-एल1 अब सौर तूफानों का अध्ययनकर रहा है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के मौसम तथा संचार प्रणालियों व बिजली ग्रिड पर इसके प्रभाव को समझने में मदद मिल रही है। भविष्य पर गौर करते हुए भारत 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना बना रहा है। इसका पहला मॉड्यूल 2028 में लॉन्च होने की उम्मीद है और अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग की हाल की सफलता ने इस बड़े लक्ष्य के लिए आवश्यक तकनीक की पुष्टि की है। इस लिहाज से भारत अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) का विकास कर रहा है, जो पृथ्वी की निचली कक्षा में 30,000 किलोग्राम वजन ले जाने में सक्षम है।

कोचिंग का क्रेडिट, स्कूल की गुमनामी: शिक्षकों के साथ यह अन्याय कब तक?

आज कोचिंग संस्थानों को छात्रों की सफलता का सारा श्रेय मिलता है, जबकि वे शिक्षक गुमनाम रह जाते हैं जिन्होंने वर्षों तक नींव रखी। यह संपादकीय उसी विस्मृति की पीड़ा को उजागर करता है। स्कूल और कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षक सिर्फ परीक्षा नहीं, सोच, भाषा और संस्कार गढ़ते हैं। कोचिंग एक पड़ाव है, पर शिक्षकों की तपस्या पूरी यात्रा का आधार। शिक्षा में श्रेय का यह असंतुलन सामाजिक और नैतिक रूप से अन्यायपूर्ण है और इसे सुधारने की सख्त ज़रूरत है।

डॉ सत्यवान सौरभ

आज जब भी कोई छात्र NEET, JEE, UPSC या अन्य प्रतियोगी परीक्षा में चयनित होता है, तो मीडिया उसकी सफलता को कोचिंग संस्थान की सफलता के रूप में प्रस्तुत करता है। बधाइयाँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, और सोशल मीडिया पोस्ट्स – सब पर एक ही नाम चमकता है: कोचिंग सेंटर। लेकिन इस पूरे शोरगुल में वह शिक्षक खो जाते हैं, जिन्होंने कभी उस छात्र को पहली बार पेंसिल पकड़ना सिखाया था, जिसने उसे अक्षरों से परिचय कराया था, जिसने उसकी गणना और तर्क की नींव रखी थी। यह वही शिक्षक हैं जो स्कूल और कॉलेजों में वर्षों तक संघर्षरत रहकर बिना किसी विशेष संसाधन के, बच्चों में सोचने की क्षमता और आत्मविश्वास जगाते हैं।यह लेख इसी अदृश्य, उपेक्षित वर्ग की आवाज़ है।शिक्षा कभी एक बाज़ार नहीं थी। वह एक संबंध था – गुरु और शिष्य का। लेकिन जब से शिक्षा के क्षेत्र में कोचिंग संस्थानों का वर्चस्व बढ़ा है, तब से यह संबंध एक सेवा और ग्राहक का रूप ले चुका है। छात्र एक उपभोक्ता बन गया है और शिक्षक – एक उत्पाद बेचने वाला। कोचिंग संस्थान अब एक ब्रांड है, जो सफलता बेचता है, और स्कूल का शिक्षक सिर्फ एक सरकारी कर्मचारी, जिसे ना प्रशंसा मिलती है, ना मंच।शिक्षा में यह असंतुलन क्यों? क्या एक छात्र की सफलता का संपूर्ण श्रेय सिर्फ उस कोचिंग संस्थान को दिया जाना न्यायसंगत है जहाँ वह अंतिम एक या दो वर्षों में गया? और उस स्कूल या कॉलेज की भूमिका क्या शून्य हो जाती है जहाँ उस छात्र ने जीवन के 10-12 वर्ष बिताए?हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी छात्र एकाएक UPSC क्लियर नहीं करता। वह प्रक्रिया कहीं कक्षा-3 की हिंदी की कविता याद करने से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उच्चारण की भूलें सुधारते हैं। वह गणित के पहले गुणा-भाग से शुरू होती है, जब शिक्षक उसकी उंगलियों की गिनती को गणना में बदलते हैं। ये शिक्षक किसी ब्रांड के बोर्ड तले नहीं पढ़ाते, इनकी कक्षाएँ बिना एयरकंडीशनर की होती हैं, और कभी-कभी बिना पंखे के भी। लेकिन इनके पसीने से ही भविष्य की नींव तैयार होती है।जब कोई छात्र इंटरव्यू में पूछे जाने पर कहता है कि ₹मेरी सफलता मेरे कोचिंग संस्थान की देन है,₹ तो यह वाक्य सुनकर कहीं किसी गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़ा रहा एक शिक्षक चुपचाप मुस्कुरा देता है। वह जानता है कि उसने कुछ तो सही किया होगा, तभी यह छात्र उस जगह तक पहुँच पाया है। लेकिन उस मुस्कान में पीड़ा छिपी होती है, उस चुप्पी में वह सवाल होते हैं जो कोई नहीं पूछता – ₹क्या मेरी कोई भूमिका नहीं थी? कोचिंग संस्थान सफलता का शॉर्टकट दे सकते हैं, लेकिन सोचने की आदत, भाषा की पकड़, सामाजिक चेतना – ये सब स्कूलों में ही पैदा होती है। विद्यालय सिर्फ परीक्षा की तैयारी नहीं कराते, वे व्यक्ति का निर्माण करते हैं।बाज़ार की भाषा में कहें तो आज शिक्षा एक 'ब्रांडेड सर्विस' बन चुकी है। कोचिंग सेंटर सफलता के ग्राफ के साथ खुद को बेचते हैं, और सफल छात्रों को विज्ञापन की तरह इस्तेमाल करते हैं। यह शोषण का एक नया रूप है,

जिसमें मेहनत किसी और की होती है और लाभ किसी और को मिलता है।विज्ञापनों की भाषा देखिए – "हमारे यहाँ से 72 चयनित!", "AIR-1 हमारे छात्र!", "बिना कोचिंग के असंभव!" – इन दावों में किसी स्कूल का नाम नहीं होता। किसी हिंदी, गणित या विज्ञान शिक्षक की तस्वीर नहीं होती, जिन्होंने छात्रों को अपनी सीमित तनख्वाह, खस्ताहाल स्कूल और प्रशासनिक दबावों के बीच तैयार किया। यहां एक और विडंबना है – जिस छात्र कोचिंग सेंटर में जाकर सफल हुआ, वह खुद एक स्कूल से आया था। उसने कभी कक्षा में बोर होकर या मस्ती करते हुए भी सीखा था। उसके व्यक्तित्व में स्कूल की प्रार्थना, शिक्षक का डांटना, लाइब्रेरी का सन्नाटा और प्रायोगिक कक्षाओं की गंध शामिल होती है। लेकिन सफलता के बाद वह स्कूल के बजाय कोचिंग की ब्रांडिंग करता है।यह ट्रेंड केवल समाज की विस्मृति को नहीं दर्शाता, यह हमारी प्राथमिकताओं की गिरावट भी दिखाता है।मूल शिक्षक केवल क्लासरूम तक सीमित कर दिए गए हैं। उनके नाम पर ना कोई स्कॉलरशिप होती है, ना कोई क्रेडिट सिस्टम। वे दिनभर बोर्ड परीक्षा की कॉपियाँ जांचते हैं, चुनाव ड्यूटी निभाते हैं, मिड-डे मील के अंडे गिनते हैं और फिर भी समय निकालकर छात्रों को समझाते हैं – "कृपया अपने नाम के आगे IAS लगाओ तो एक बार स्कूल जरूर आना!"कुछ शिक्षक तो इतने सरल और समर्पित होते हैं कि वे अपने छात्रों की सफलता पर गर्व तो करते हैं, लेकिन उसके सोशल मीडिया पोस्ट में अपना नाम न देखकर भी चुप रहते हैं। वे अपनी भूमिका को ईश्वर के कार्य जैसा मानते हैं – बिना श्रेय की अपेक्षा के, केवल समाजनिर्माण की भावना से।यह चुप्पी अब तोड़नी होगी।हमें एक नया सामाजिक अभियान चलाने की आवश्यकता है, जहाँ हर चयनित छात्र अपने स्कूल और वहाँ के शिक्षकों का नाम खुले मंच पर ले। प्रशासन को ऐसे नियम बनाने चाहिए जहाँ छात्रों की सफलता के साथ-साथ विद्यालय और कॉलेज का भी नाम दर्ज किया जाए। मीडिया को भी अपनी रिपोर्टिंग में कोचिंग संस्थानों के साथ-साथ उस छात्र के मूल शैक्षिक संस्थान की जानकारी देनी चाहिए।कोचिंग संस्थानों को भी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि वे अपने प्रचार में उस छात्र की संपूर्ण शैक्षिक यात्रा को स्थान दें – केवल अंतिम दो वर्षों को नहीं।यदि हम ऐसा नहीं करेंगे, तो एक दिन आएगा जब हमारे विद्यालय केवल नाममात्र के रह जाएँगे, और शिक्षा केवल एक महंगी सेवा बनकर रह जाएगी।सच्चा शिक्षक वही होता है जो दीपक की तरह जलता है, ताकि सामने बैठा छात्र उजाले में देख सके। लेकिन दीपक को भी यदि निरंतर नजरअंदाज़ किया जाए, तो अंधकार स्थायी हो सकता है।यह लेख उन्हीं शिक्षकों को समर्पित है –जो ब्रांड नहीं हैं, लेकिन ब्रह्मा की भूमिका निभाते हैं जो कोचिंग सेंटर नहीं चलाते, लेकिन व्यक्तित्व गढ़ते हैं जिनके नाम आज नहीं गूंजते, लेकिन जिनका असर पीढ़ियों तक रहता है।अब समय आ गया है कि हम शिक्षा की गहराई में उतरें और उसके असली स्थापत्यकारों को पहचानें।

कैसे पहचानें कि आपका पौधा बीमार हो रहा है?

विजय गर्ग

बागवानी का शौक भला किसे नहीं होता है अक्सर लोग पौधे लगाते तो हैं लेकिन उनकी देखभाल में छोटी-छोटी गलतियों के कारण पौधे बीमार पड़ जाते हैं। यदि आप समय रहते लक्षण पहचान लें, तो पौधे को आसानी से बचाया जा सकता है। आइए जानते हैं 5 आसान तरीकों से कि कैसे आप पहचान सकते हैं कि आपका पौधा बीमार हो रहा है।

पत्तियों का रंग बदलना

पत्तियाँ पौधे का सबसे पहला और साफ संकेत होती हैं। अगर आपके पौधे की पत्तियाँ पीली, भूरे किनारे वाली या पूरी तरह मुरझाई हुई दिखने लगें तो यह बीमारी या पोषण की कमी का लक्षण हो सकता है ।जैसे नाइट्रोजन की कमी से पत्तियाँ पीली होने लगती हैं, वहीं फंगल इन्फेक्शन के कारण उन पर भूरे या काले धब्बे दिख सकते हैं। अगर नई पत्तियाँ भी कमजोर या विकृत होकर आ रही हैं तो यह भी खतरे की घंटी है।

डंठल या तना सड़ना

यदि पौधे का तना या डंठल मुलायम होकर काला या गहरा भूरा दिखने लगे तो यह सड़न का संकेत है।यह आमतौर पर ज्यादा पानी देने या जल निकासी सही न होने के कारण होता है। पौधा धीरे-धीरे गिरने या ढीला होने लगता है और जड़ से लेकर ऊपर तक प्रभावित हो सकता है।समय रहते इसे पहचानकर सूखे हिस्से को काटना और मिट्टी बदलना जरूरी हो जाता है।

पौधे का विकास रुक जाना

अगर आपका पौधा लंबे समय से एक ही स्थिति में है। न नई पत्तियाँ निकल रही हैं और न ही बढ़ रहा है तो यह संकेत है कि कुछ गड़बड़ है। अक्सर यह जड़ की समस्या, पोषण की कमी या कीट संक्रमण का परिणाम होता है। कई बार मिट्टी सख्त हो जाने या जड़ों के पास जगह न होने के कारण भी पौधा विकास करना बंद कर देता है। ऐसे में रूट बॉल की जांच करें और आवश्यकता अनुसार रिपॉटिंग करें।

पत्तियों और तने पर अजीब दाग या छिद्र

अगर पत्तियों या तनों पर सफेद पाउडर जैसा पदार्थ, चिपचिपा द्रव या छोटे-छोटे छिद्र दिखने लगें तो समझ लें कि यह कीट या फंगल अटैक का मामला है। विशेषकर एफ्सिड्स, मिलिबग्स और स्पाइडर माइट्स जैसे कीट पौधे को कमजोर कर देते हैं। इन्हें समय पर पहचानकर ऑर्गेनिक कीटनाशक या घरेलू उपायों से नियंत्रित करना जरूरी है।

जड़ों की हालत बिगड़ना

हालांकि जड़ों को रोज-रोज नहीं देखा जा सकता लेकिन अगर पौधा ऊपर से बीमार लग रहा है और ऊपर बताए गए उपायों से सुधार नहीं हो रहा है तो जड़ों की जांच जरूर करें। स्वस्थ जड़ें सफेद और मजबूत होती हैं। जबकि सड़ी हुई जड़ें काली या बदबूदार हो जाती हैं। इससे पौधा पोषण नहीं ले पाता और मुरझाने लगता है। समय पर खराब जड़ों को काटकर पौधे को नए गमले या ताजी मिट्टी में लगाना बेहतर होता है। इस तरह इन पांच आसान संकेतों पर ध्यान देकर आप अपने पौधे की सेहत का ध्यान रख सकते हैं। जल्दी पहचान होने से इलाज भी आसान हो जाता है और पौधा फिर से स्वस्थ होकर हरा-भरा दिखने लगता है।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

आगम की रक्षा करना आत्म कर्तव्यः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

प. पू. सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ पद्मनाभ नगर भोपाल में विराजमान है। माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा निर्विघ्न संपन्न हुई। तत्पश्चात माताजी की मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि आज के समय में व्यक्ति जो पाप जोड़ने के साधन है परिवार, पदार्थ, प्रतिष्ठा को तो बचाने का प्रयास करता है परन्तु परमात्मा, परमात्मा की वाणी व परमात्मा के पद चिन्हों पर चलने वाले है अर्थात जो सच्चे देव शास्त्र गुरू है उनकी रक्षा का दायित्व कोई नहीं संभालता। उनके संरक्षण के लिए कोई कोशिश या प्रयास नहीं किया जाता। हमारे पूवार्चार्यों ने हमें इतनी अनमोल धरोहर दी है । तीर्थंकर भगवान की वाणी को हम तक पहुंचाया है हमें उसे बचाने का संकल्प करना चाहिए । हमारे मंदिरों में जो जिनवाणी खराब हो गई उन्हें सुधारने का प्रयत्न करना चाहिए। जब हम आगम की रक्षा करेंगे वह हमारी आत्मा की रक्षा करेंगे। जिनवाणी के एक पन्ने को फाड़ने से एक मंदिर तोड़ने के बराबर पाप लगता है और उसको सही करने से एक मंदिर बनाने का पुण्य मिलता है। अतः सभी को श्रुत की रक्षा का प्रण ग्रहण करना चाहिए जिससे जिनेन्द्र की वाणी को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। आगामी 19 जून 2025 गुरुवार को अहिंसा विहार के लिए होगा ।

लॉयन दयाल सिंह नैणावटी के पार्थिव शरीर का देहदान

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब के वरिष्ठ लॉयन सदस्य दयाल सिंह नैणावटी का दिनांक 16 जून 2025 को सायं देहावसान हो गया था। परिवार जनों की सहमति से दिनांक 17 जून 2025 को उनके पार्थिव शरीर को गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, अजमेर रोड, जयपुर को देहदान किया गया। देहदान के समय सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कॉलेज के डॉक्टरों द्वारा शपथ ग्रहण के बाद पार्थिव शरीर को ग्रहण किया गया। उसके बाद उनकी स्मृति में अमरूद के पौधे का रोपण किया गया। देहदान करना बहुत बड़ा नेक कार्य है। परिवार जनों ने देहदान का निर्णय लेकर बहुत ही साहस का परिचय दिया है। देहदान के समय क्लब की तरफ से पी एम सी सी लॉयन गोविंद शर्मा, लॉयन जे के जैन, लॉयन निर्मल जैन, लॉयन नेमि पाटनी, सचिव लॉयन इंजी. विमल गोलछा, कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल जैन, लॉयन पवन जैन एवं लॉयन अनिल माथुर उपस्थित थे। सभी ने पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मनीषा जैन को अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर किया नियुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष एन के गुप्ता, प्रभारी ध्रुव दास अग्रवाल, महामंत्री गोपाल गुप्ता की सहमति से महिला विंग की प्रदेशाध्यक्ष चारू गुप्ता ने मनीषा जैन को अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की महिला विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर उनके अनुभव एवं कार्यकुशलता के आधार पर नियुक्त किया गया।

सैकड़ो श्रावक आचार्य श्री के चरणों में, चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट करेंगे

टोंक. शाबाश इंडिया

''हम लोगों की है अभिलाषा टोंक नगर में हो चौमासा'' की भावना लेकर सकल दिगंबर जैन समाज टोंक के सैकड़ो लोग गुरुवार को बसों द्वारा प्रातः काल परम पूज्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ 36 पिछिका को चवलेशर पारसनाथ भीलवाड़ा में पहुंचकर चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट करेंगे। समाज के पवन कंटान व विकास ने बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार चवलेश्वर पारसनाथ की ओर चल रहा है । जहां पर सकल दिगंबर जैन समाज टोंक के सैकड़ो लोग चातुर्मास के लिए चंवलेश्वर पार्श्वनाथ में बड़े भक्ति भावना से श्रीफल भेंट करेंगे। इससे पूर्व बुधवार को समाज के कुछ प्रतिनिधि आचार्य श्री के चरणों में पहुंचकर वर्ष 2025 के चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट कर चातुर्मास व्यवस्था संबंधी चर्चा की एवं आचार्य श्री जी से मंगल आशीर्वाद लिया। इस मौके पर भागचंद फुलेता, धर्मचंद दाखियाँ, कमल आडरा, विमल बरवास, कमल सर्राफ, आशु दाखिया, मनीष, राहुल, अर्पित आदि समाज बंधु उपस्थित थे ।

जैन प्रतिभा सम्मान समारोहः देश भर के मेधावी जैन छात्रों का हुआ सम्मान, विशेष प्रतिभाओं को लैपटॉप व टैब भेंट

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। आदिनाथ टीवी चैनल के तत्वावधान में एक भव्य जैन प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से चयनित उन जैन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में 95% से अधिक अंक प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया। इस गरिमामय अवसर पर विशेष रूप से चयनित छात्रों को लैपटॉप और टैबलेट प्रदान किए गए ताकि उनकी आगे की शिक्षा और भी सुगम हो सके। समारोह में जैन समाज की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं, जिनमें लोकप्रिय आईएएस अधिकारी डॉ. तनु जैन विशेष आकर्षण रहीं। वे तथास्तु कोचिंग सेंटर की संस्थापक हैं और आईएएस/यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत मानी जाती हैं। कार्यक्रम को और भी ऊर्जावान बनाने वाले क्षण तब आए जब कवि हृदय विकर्ष शास्त्री जी ने एक मोटिवेशनल और हृदयस्पर्शी कविता प्रस्तुत की, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कविता की समाप्ति पर सैकड़ों लोगों ने करतल ध्वनि से उनका उत्साहवर्धन किया। डॉ. तनु जैन द्वारा विकर्ष शास्त्री जी का मंच पर सार्वजनिक रूप से सम्मान किया गया, जो समारोह का एक भावुक और प्रेरक क्षण बन गया। आदिनाथ टीवी चैनल द्वारा समाज की प्रतिभाओं को मंच और पहचान दिलाने का यह प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय और प्रेरणादायक रहा।

जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी का रंगारंग कार्यक्रम संपन्न

पुल पार्टी का सदस्यों ने लिया भरपूर ऑन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार 15 जून 2025 को स्वप्नलोक रिसोर्ट एवं वाटर पार्क में राजधानी ग्रुप द्वारा रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया । संस्थापक अध्यक्ष सुनील आरती पहाड़िया ने बताया कि स्विमिंग पुल पार्टी एवं ''संगीतमय अंताक्षरी के साथ मनोरंजन संध्या'' सक्रिय, ऊजार्वान एवं आत्मीय सहभागिता के कारण अत्यंत सफल, यादगार एवं उल्लासपूर्ण रही। अध्यक्ष दिलीप नमिता जैन टकसाली ने बताया कि स्विमिंग, रेनडान्स एवं चार विविध राउंड्स से सजी अंताक्षरी प्रतियोगिता और मस्ती भरे डान्स एवं ने हर सदस्य को आनंद और उल्लास से भर दिया। श्रीमती निकिता कोका ने जीवंत एंकरिंग, मधुर संगीत और ऊजार्वान संचालन ने पूरे वातावरण को संगीतमय उल्लास में बदल दिया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने हेतु कार्यक्रम संयोजकः संजय-श्रीमती सोनू डाकुड़ा, अशोक-श्रीमती सुमन बिलाला, सुनील-उर्मिला टोंगिया, सुरेश-शान्ति भौंच, रमेश-बीना जैन, अरिहन्त- गुनीमा पहाडिया ने अथक प्रयास किया। समारोह में पु धर्मचंद-श्रीमती रुचि पाटनी के सौजन्य से अंताक्षरी के सभी विजेताओं को सुंदर आकर्षक उपहार मिले। सुनील-आरती पहाडिया, संस्थापक अध्यक्ष, राजेन्द्र-जयश्री पाटनी, पवन-रीता पाटनी, निष्पक्ष निर्णय हेतु धर्मचंद पहाडिया एवं अरुण जैन और सभी सम्माननीय सदस्यों का भी हृदय से आभार प्रकट किया। जिनकी उपस्थिति, सहभा जीबीगिता एवं सहयोग से यह आयोजन स्मरणीय उत्सव में परिवर्तित हो सका।

''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' के संकल्प के साथ जेएसजी संस्कार का योगाभ्यास सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति, अंबा माता तथा जैन सोशल ग्रुप ''संस्कार'' के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) की पूर्व संध्या पर दिनांक 18 जून 2025 को भव्य योग अभ्यास सत्र आयोजित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुँचाना और ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' के वैश्विक संदेश को आत्मसात करना था। कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया गया। योगाचार्य विजय बहादुर यादव एवं सह-योगाचार्य साधना दक द्वारा शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के महत्त्व को समझाते हुए विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की एक शैली है जो तन, मन और आत्मा को संतुलित करती है। सचिव जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि योगाचार्य विजय बहादुर यादव एवं सह-योगाचार्य साधना दक के नेतृत्व में लगभग 50 लोगों ने योगाभ्यास किया। जेएसजी संस्कार ग्रुप से संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी, अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन, सचिव जितेंद्र धाकड़, सहसचिव राजेश सामर, महेंद्र सहलोत, करणमल जारोली, हिम्मत जैन,विनीत सरूपरिया, सपना सरूपरिया,लाजवंती धाकड़, बंकेश सोनी, मीना धाकड़, अनीता दरक, विक्रम कोठारी, योग सेवा समिति से तरुणा सोनी,सुशीला देवपुरा,ऋतु आदि सदस्यों इस योग शिविर से लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का समापन सामूहिक शांति पाठ एवं सचिव राजेश सामर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। ''योग करें, रोग हटाएं-जीवन को स्वस्थ बनाएं'' के संदेश के साथ यह आयोजन अत्यंत प्रेरणादायी और सफल रहा। ओसवाल सभा के अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र कोठारी ने उपस्थित सभी सदस्यों को *शनिवार दिनांक 21 जून को प्रातः 6 बजे फतेह सागर पाल पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री माननीय गजेंद्र सिंह जी शेखावत के मुख्य आतिथ्य में जिला प्रशासन, ओसवाल सभा, तेरापंथ युवक परिषद, यू डी ए एवं पश्चिम सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित विशाल योगा कार्यक्रम में सभी को आने के लिए निमंत्रित किया गया।

निवाई में जैन संतों का आगमन एवं समागम एवं मधुर मिलन आज

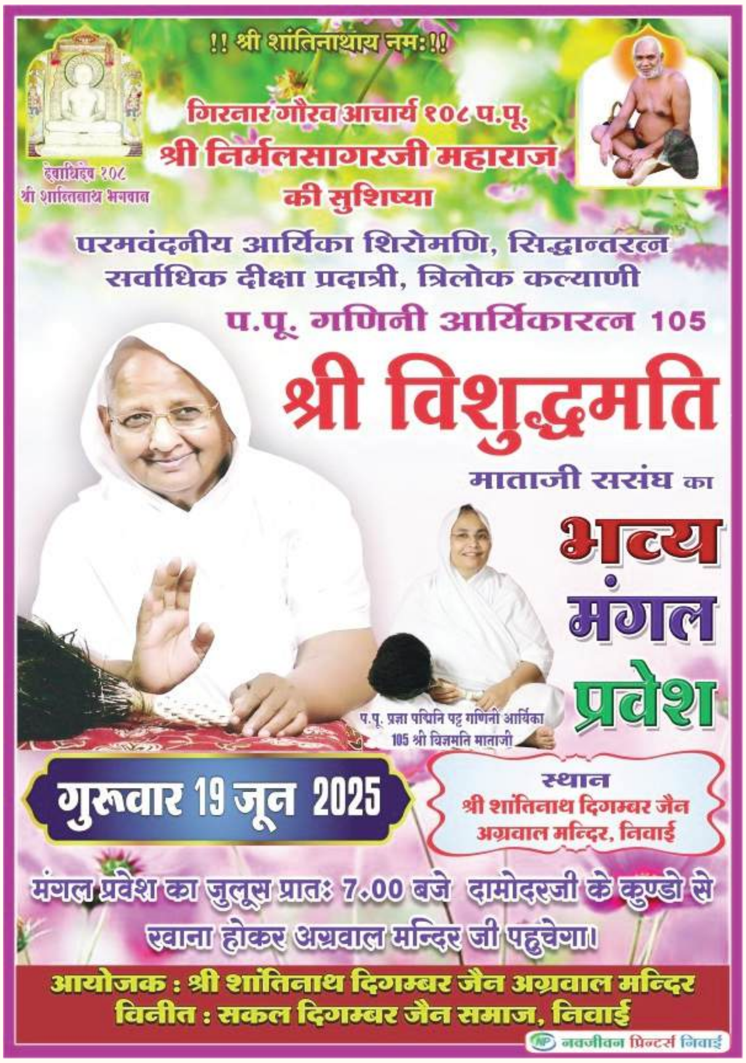

निवाई. शाबाश इंडिया। जैन मुनि अरह सागर महाराज संघ एवं भारत गौरव गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी संघ का गुरुवार को निवाई शहर में गाजे बाजे से मंगल प्रवेश होगा। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य जैन मुनि अरह सागर महाराज एवं आचार्य निर्मल सागर महाराज की शिष्या गणिनि आर्यिका विशुद्ध मति माताजी एवं आर्यिका विज्ञ मति माताजी संघ का गुरुवार को समाज के तत्वावधान में मंगल आगमन होगा। जहां गुरुवार को सुबह दिगम्बर जैन संतों का समागम निवाई की आन बान और शान के प्रतीक अहिंसा सर्किल पर मंगल मिलन होगा। प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि निवाई में दोनों जैन संघ अहिंसा सर्किल से जुलूस बनाकर गाजे बाजे से भगवान महावीर मार्ग होते हुए श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर पहुंचेंगे जहां धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा।

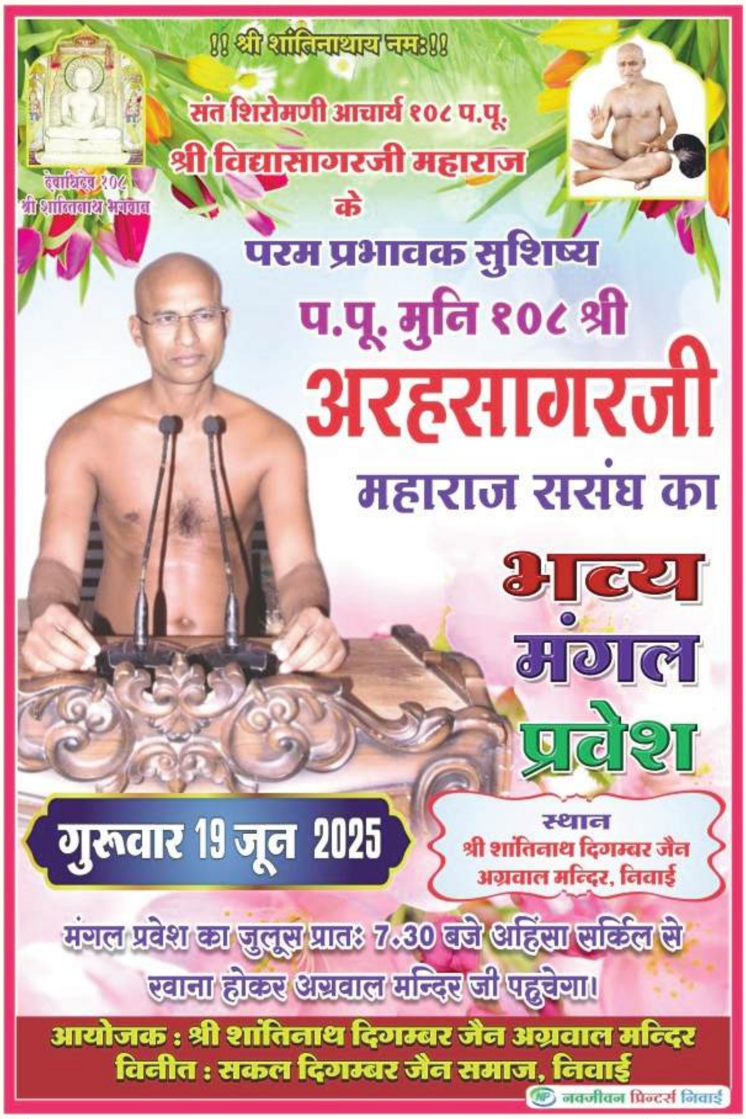

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जेएसजी शेखावाटी ग्रुप द्वारा आयोजित योग एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन समाज की अग्रणी संस्था जेएसजी शेखावाटी ग्रुप द्वारा स्थानीय जैन भवन में योग एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि 18 जून से 21 जून तक चार दिवसीय इस आयोजन में प्रथम दिन विभिन्न समाज के लोग सम्मिलित हुए। ग्रुप के मंत्री दीपक संगही ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया।दीप प्रज्वलन शिविर पुण्यार्जक मनोज सरिता पाटोदी परिवार, पदम कुमार अभय कुमार सेठी परिवार एवं कार्यक्रम अतिथि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की ब्रांड अम्बेसडर अभिलाषा रणवा, स्थानीय भाजपा उपाध्यक्ष गोविंद सैनी, सुनील पहाड़िया दीपक सेठी द्वारा किया गया। इस दौरान आशीष जयपुरिया , अभय सेठी सुमित पहाड़िया, विनय कालिका, विनोद दीवान, अभिनव सेठी, हितेश बाकलीवाल, जयकुमार नागवा, मनीष कासलीवाल , सुशील सोगानी उपस्थित थे। योग एवं ध्यान प्रशिक्षण शिविर प्रशिक्षिका कविता जैन ने आधुनिक जीवनशैली मे लोग बहुत टेंशन में रहते है , उससे कैसे कम किया जाए उसके बारे में बताया और खान पान कैसा होना चाहिए यह भी जानकारी दी।

दिगम्बर जैन महिला महासमिति के द्विवर्षीय चुनाव सम्पन्न

मंजु सेठी दूसरी बार अध्यक्ष बनी

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल चित्तौड़गढ़ इकाई के चुनाव सकल दिगम्बर जैन समाज के संरक्षक राजकुमार गदिया,अध्यक्ष पारस सोनी,महामंत्री डॉ ज्ञान सागर जैन की अध्यक्षता व संरक्षिका मनोरमा अजमेरा नम्रता गदिया के निर्देशन में मांगलिक धाम प्रांगण में संपन्न हुए। जिसमें मंजु सेठी सर्वसम्मति से निर्विरोध पुनः अध्यक्ष चुनी गई। बाद में मंडल की सदस्याओं ने तिलक लगाकर व माला उपर्णा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरूआत नमोकार मंत्र जाप के साथ हुई। अध्यक्ष सेठी ने अपने उद्बोधन में महिला महासमिति के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कार्यकाल से बेहतर कार्य करने का हरसंभव प्रयत्न करूंगी व शीघ्र ही नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।अध्यक्ष पारस सोनी ने अपने संबोधन में पूर्व कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की।दोनों संरक्षिका ने बताया कि सेठी का अध्यक्ष बनना पूरे मंडल के लिए गौरव की बात है।सेठी पूर्व में भी स्थानीय दिगम्बर जैन महिला मंडल की अध्यक्ष रही और विभिन्न संगठनों से जुड़ी होकर अनेक सराहनीय कार्य किए।बाल कल्याण समिति में सराहनीय कार्यों के लिए जिला प्रशासन चित्तौड़गढ़ द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह 2023 में सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया साथ ही उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए श्री महावीर जी अतिशय तीर्थक्षेत्र राजस्थान में डॉ मनिंद्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन महासमिति व शीला जैन डोडिया राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला महासमिति द्वारा ''उत्कृष्ट सेवा सम्मान'' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम समापन पर अध्यक्ष सेठी को उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल नेतृत्व के लिए उपस्थित सदस्याओं ने शुभकामनाएं दी। सेठी ने सभी के समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुनि सेवा समिति अध्यक्ष आशा वैद,महामंत्री रंजना रामावत, कोषाध्यक्ष प्रियंका गदिया, प्रभा गंगवाल, प्रेमलता सोनी, रूपाली अजमेरा, मोना गदिया, संगीता जैन, संगीता अजमेरा, अंकिता अजमेरा,नेहा पाटनी व उर्मिला सहित कई महिलाएं मौजूद रही।

विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल व लीनेस ब्लू डायमंड क्लब द्वारा आयोजित दस दिवसीय अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मण्डल व लीनेस ब्लू डायमंड क्लब, जयपुर के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्व समाज के बच्चों एवं महिलाओं के लिए 22 वां विशाल निः शुल्क ग्रीष्मकालीन अभिरूचि प्रशिक्षण शिविर विवेक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, 261 सूर्यनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर में संम्पन हुआ। यह शिविर दिनांक 4 जून से आयोजित किया गया। यह शिविर महिलाओं एवं बच्चों की कलात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष लगाया जाता हैं। शिविर में डांस, जुम्बा, मेहंदी, स्केचिंग, दीपावली डेकोरेटिव आइटम, वेडिंग आइटम(गोटा ज्वेलरी , कलश आदि), राखी मैकिंग, गिफ़्ट पैकिंग, ब्यूटिशियन, नेल आर्ट, साड़ी रेपिंग, रैम्प वॉक, सेल्फ मेकअप, बेसिक न्यूमेरोलॉजी इत्यादि 14 विधाओं का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया। क्रिएटिव आर्ट के साथ नृत्य संगीत व अन्य कई कलाओं का संगम लिए अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह मंगलवार दिनांक 17 जून, 2025 को विवेक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में संपन्न हुआ। महिला मंडल की अध्यक्ष शकुन्तला विजयवर्गीय ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लीनेस स्वग्रही माओ, प्रांतीय अध्यक्ष RM1 स्वयंसिद्धा व विशिष्ट अतिथि पार्षद रवि उपाध्याय, लीनेस उषा भंडारी चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट, विवेक पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अश्विनी चौहान, प्रिंसिपल चन्द्रभान शर्मा व समाजसेवी राज कुलदीप रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शुभारंभ पर ईश वंदना छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई है। मंच संचालन चंद्रकांता विजयवर्गीय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संजीव चौधरी द्वारा सिखाए गए गानों पर सभी बच्चों एवं महिलाओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गई ।कार्यक्रम में सभी सिखाई गई विधाओं का प्रदर्शन किया गया। जिसे सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने सराहा।अतिथियों ने प्रतिभागियों के कोशल को परखा और उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किये। प्रशिक्षक कोरियोग्राफर संजीव चौधरी, रीना विजयवर्गीय, सावी विजयवर्गीय, कविता शर्मा, अलका मारोठिया, प्रीति सैनी व अदिती वी दत्ता द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए महिला मण्डल द्वारा आभार स्वरूप उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह

सुंदरता आभूषणों से नहीं, वीतरागता से आती है: आचार्यश्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज

पहली बार 33 पीछी धारियों के साथ आचार्य श्री पधारे बहलना

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

बहलना, उत्तर प्रदेश। भारतीय वसुन्धरा सदा से ही दिगम्बर वीतरागी श्रमणों की पवित्र पदरज से पावन होती रही है। वर्तमान संत परम्परा के परम प्रवाहक जीवन है पानी की बूंदे महाकाव्य के मूल रचनाकार, जिनागम पंथ जयवंत हो के पवित्र नारे से जैन एकता का शंखनाद करने वाले, परम पूज्य जिनागम पंथ प्रवर्तक आदर्श महाकवि संघ शिरोमणि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज अपने विशाल चतुर्विध संघ (33 पीछी) के साथ पदविहार करते हुए उत्तरप्रदेश के अतिशय क्षेत्र वहलना पहुँचे । अतिशय क्षेत्र वहलना के समीपस्थ धर्मनगरी मुजफ़्फ़रनगर की सम्पूर्ण जैन समाज ने आचार्य संघ का हर्षोत्साह पूर्वक अतिशय क्षेत्र पर प्रवेश कराया। आचार्य गुरुवर ने सर्वप्रथम क्षेत्र के मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान के संघ सहित दर्शन प्राप्त किये। अतिशय कारी भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की अभिषेक शांतिधारा के पश्चात उपस्थित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये कहा जिनवर जैसा रूप नहीं, साधु समा स्वरूप नहीं। राग-द्वेष निंदा चुगली, जैसा रूप कुरूप नहीं। पारस क्षमा की हो-हो-2, हो मूरत कहलाए रे जीवन है पानी की बूंदे, कब मिट जाये रे.... मनुष्य अपने जीवन में अनेक की अच्छाईयां और बुराईयें देखता है। अब आप पर निर्भर है कि आप क्या क्या देखना चाहते हैं? यदि आपके अन्दर अच्छाईयाँ होंगी तो आपको हर तरफ अच्छाईयाँ ही अच्छाईयां दिखाई देंगी। और यदि आप बुराईयों के संग्रहालय होंगे तो आपको चारों ओर बुराईयाँ ही दिखाई देंगी। बन्धुओ ! आपकी दृष्टि ही यह निर्णय करेगी कि आप बुराईयों के संग्रहालय है या अच्छाईयों के । विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा- प्रिय धर्मप्रेमी बन्धुओ। यह बतलाओ आप सुंदर हो या भगवान पार्श्वनाथ स्वामी सुंदर हैं? आप तो अपने शरीर का हर पल साज-श्रृंगार करते रहते हैं, तेल फुलेल इत्र आदि से सुगंधित करते रहते हो, वस्त्र - आभूषणों से सदैव अपने को सुंदर दिखाने का प्रयास करते रहते हो, फिर भी सच-सच बताना - आप सुंदर हैं या भगवान ? आप सबका एक ही जबाव आ रहा है कि भगवान ही सबसे अधिक सुंदर हैं। बन्धुओं ! संसारी जीवों में राग-देष-काम-क्रोध-लोभ-मोह-प्राणक्ति आदि दुर्गुण सदा हरे-भरे बने रहते हैं इसलिए साज-श्रृंगार करते हुए भी आप सुंदर नहीं बन सकते, जबकि जिनेन्द्र भगवान ने राग-द्वेष-क्रोध-लोभ आदि 18 दोषों का नाश कर दिया है।

जो पुण्य जीवन भर अर्जित किया है वहीं साथ आएगा, बाकी इस धरा का इस धरा पर सब धरा रह जाएगा : मुनि श्री शुद्ध सागरजी महाराज

डडूका. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ जिनालय डडूका में विराजित आचार्य विशुद्ध सागरजी महाराज के सुशिष्य मुनि शुद्ध सागरजी महाराज प्रतिदिन प्रातः अपने प्रवचनो से नगर में ज्ञान गंगा और जिनवाणी का अप्रतिम प्रवाह कर रहे हैं। आज मिथ्या दर्शन और मिथ्या दृष्टि पर सारगर्भित प्रवचन देते हुए मुनिराज ने कहा कि जीवन की वास्तविकता को जानकर भी हम सब गलतफहमी में जी रहे है। जीवन भर आपा धापी में जीते हुए जो कुछ हम जुटाते हैं वो सब यही धरा रह जाना है। चक्रवर्ती सम्राटों के पास अपार वैभव था, 18 करोड़ घोड़े, 84लाख हाथी, 96हजार रानियां, सारा वैभव उन्होंने जब वैराग्य हुआ एक झटके में त्याग दिया। ये सब उन्होंने अपने मस्तिष्क से छोड़े, ये सोचा की कभी ये सब संपदा मेरी थी, अब मेरी नहीं है। मुनि श्री शुद्ध सागरजी ने कहा कि अगर आपका मस्तिष्क व्यवस्थित है तो आपको सारा संसार व्यवस्थित लगेगा। ज्ञान की बातें हम सब स्वीकार करते हैं पर उसे श्रद्धा से स्वीकार नहीं करते। जीवन की वास्तविकता को यदि हम श्रद्धा से स्वीकार करले तो परिणति ही बदल जाए। हम सब को पता है मौत आने पर हम सबको जाना है, कुछ भी साथ ले कर नहीं जाएंगे फिर भी हम दिन रात कुछ न कुछ जोड़ने में ही लगे रहते है। बच्चों को उनके भाग्य में जो होगा वहीं मिलेगा, हमारा उनके लिए जोड़ना कुछ काम नहीं आएगा। युवाओं को मुनि श्री ने विश्व विजेता सिकंदर का उदाहरण देते हुए बताया की उसने अपनी अंतिम यात्रा में अपने दोनों खाली हाथ कफन के बाहर रखने को कहा था ताकि दुनिया देखले की सब खाली हाथ आए हैं और खाली हाथ ही जायेंगे चाहे वह सम्राट हो, भिखारी हो, पुरुष हो या स्त्री हो। मुनि श्री का प्रवचन इतनी सादी भाषा में होते है की हर कोई उन्हें आसानी से समझ के जीवन में उतार सकता है। दिगंबर जैन दशा हूमड़ समाज डडूका, जैन युवा समिति डडूका, प्रभावना महिला मंडल डडूका तथा दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चे, युवा ओर पंच प्रातः कालीन वेला में बारिश की रिमझिम के बीच मुनि श्री शुद्ध सागरजी महाराज द्वारा प्रवाहित ज्ञान गंगा में गोते लगाते हैं तो वे जिनवाणी वाणी से सराबोर हो जाते हैं। मुनि श्री शुद्ध सागरजी महाराज के प्रतिदिन के प्रवचन शुद्ध जिनवाणी यू ट्यूब चैनल पर उपलब्ध रहते हैं।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में छोटी बच्ची के पेट से चिकित्सकों ने एंडोस्कोपी द्वारा पायल निकाली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। 2 वर्षीय बच्ची ने चाँदी की पायल निगल ली थी। परिजन अत्यन्त परेशान स्थिति में सोमवार को जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग में बच्ची को लेकर पहुँचे। वहाँ उपस्थित चिकित्सकों ने उसका एक्स-रे करवाकर पायल की पेट में वर्तमान स्थिति सुनिश्चित की और अविलम्ब उसे एंडोस्कोपी थियेटर में स्थानांतरित कराया। वहाँ विभागाध्यक्ष डॉ. एम. पी. शर्मा के मार्गदर्शन में डॉ. राजमणि, डॉ मनोज कुमार, डॉ. संजय एवं नर्सिंगकर्मी कैलाश व आरती ने अविलम्ब बच्ची को ऑपरेशन टेबल पर लिटा कर एंडोस्कोपी द्वारा पेट से पायल को बाहर निकाल लिया। तत्पश्चात बच्ची के परिजनों ने राहत की साँस ली। विभागाध्यक्ष गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग डा. एम पी शर्मा ने सभी परिजनों से आग्रह है कि वे अपने छोटे बच्चों का विशेष ध्यान रखें कि गलती से कोई अवांछित द्रव्य, पदार्थ का सेवन न कर लें । क्योंकि कई बार इससे बच्चों के जीवन को खतरा उत्पन्न हो जाता है। यद्यपि परिजनों को इससे ज्यादा घबराने की आवश्यकता नहीं है। वे मरीज को गैस्ट्रो विभाग में ला सकते हैं, जहाँ त्वरित गति से उपचार संपादित करने की सुविधा उपलब्ध है।

इंजी. अरुण कुमार जैन बने जैन इंजीनियर्स सोसाइटी नोर्थ जोन के सचिव

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसाइटी जयपुर साउथ चैप्टर के सदस्य इंजी. अरूण कुमार जैन को जेस फाउंडेशन द्वारा जेस नार्थ जोन के सचिव पद पर मनोनीत किया गया है ।इंजी. अरुण कुमार जैन पूर्व में वर्ष 2021-23 अवधि में जयपुर साउथ चैप्टर के सचिव एवं 2023-25 अवधि में उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत रह चुके हैं ।इंजी. अरुण के नोर्थ जोन के सचिव पद पर मनोनयन से चैप्टर में अत्यधिक हर्ष है ।जेस फाउंडेशन के सचिव इंजी. प्रेम चंद छाबड़ा एवं संयुक्त सचिव इंजी.देवेन्द्र मोहन जैन तथा चैप्टर अध्यक्ष इंजी. महेंद्र कुमार कासलीवाल, सचिव इंजी. विनोद कुमार बडजात्या व अन्य दम्पति सदस्यों ने इंजी. अरुण को उनके मनोनयन पर बधाई एवं शुभकामनाए दी हैं ।

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन का 2 दिन का महा अधिवेशन संपन्न

उज्जैन. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन का 2 दिन का महा अधिवेशन उज्जैन नगरी में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम चीफ गेस्ट मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की बड़ी बहन थी और अध्यक्ष थे अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के अध्यक्ष हरिश्चंद्र शुक्ला ने की इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया वर्किंग कमेटी के देश के सभी पदाधिकारी व 22 राज्यों के अध्यक्ष और प्रदेशों के जिला अध्यक्ष अपने कार्यकारिणी सहित आए थे। इस कार्यक्रम में उपभोक्ता आंदोलन को सशक्त बनाने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए बहन कलावती देवी ने अपने विचार रखें, और सरकार से आंदोलन को सशक्त बनाने के लिए हर तरह के सहयोग देने का आश्वासन दिया।राष्ट्रीय अध्यक्ष शुक्ला ने जिले में गांव-गांव दानी दानी में उपभोक्ता आंदोलन का जोर-जोर से बिगुल बजाया राष्ट्रीय पदाधिकारी यो और प्रदेश अध्यक्षों को जिले में गांव गांव में जागरूक करने का बिगुल बजाया । इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व न्यायाधीश अशोक झांझरी ने भी उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए आम उपभोक्ताओं को फायदे के बारे में जांच के बारे में, विधिवत जानकारी दी।

ग्रीष्मकालीन शिविर अंतर मंतर जंतर छू का आयोजन

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन पंचायत के निदेर्शानुसार व श्री दिगंबर जैन युवा मंडल द्वारा संचालित श्री विद्यासागर पाठशाला के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसिया, सूरजपोल गेट बाहर में ग्रीष्मकालीन शिविर अंतर मंतर जंतर छू का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारम्भ रविवार को किया गया जिसमे ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, शिविर कक्ष का लोकापर्ण ताराचंद श्रीमती सुनीता जीतेन्द्र कमलेश ठोलिया अर्चना मेडिकल परिवार द्वारा किया गया। विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सामग्री व स्टेशनरी किट के पुण्यार्जक जम्बू मनीष मोनिका शाश्वत जैन रांवका परिवार थे। पुण्यार्जक परिवारों का स्वागत व सम्मान श्री दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री दिनेश अजमेरा व श्री मारवाड़ी धड़ा के अध्यक्ष पारस कासलीवाल व मंत्री नितिन छाबड़ा द्वारा किया गया। सभी धार्मिक कार्य पंडित घनश्याम शास्त्री व प्रशांत भारिल्ल द्वारा करवाई गई। बुधवार को शिविर में बच्चों को अंजन चोर की कथा अंजन बना निरंजन और तीर्थंकर कौन-कौन होते हैं उनके कितने कल्याणक होते हैं वे क्या उपदेश देते हैं तथा णमोकार महामंत्र की महिमा आदि का पाठ पढ़ाया गया।

हमारे नगर गौरव श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के प्राचार्य अरुण शास्त्री ने बच्चों को माला कैसे फेरते हैं इससे अवगत कराया। आज के अल्पाहार के प्रायोजक श्री दिगंबर जैन पंचायत ब्यावर के अध्यक्ष अशोक काला श्रीमती मनोरमा उज्जवल पुष्प काला परिवार थे। अशोक काला परिवार द्वारा आज शिविर के

तृतीय दिवस का चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। काला परिवार का सम्मान श्री दिगम्बर जैन युवा मण्डल के अध्यक्ष रितेश फागीवाला, मंत्री राकेश गोधा, उपाध्यक्ष अंकुर अजमेरा, संजय श्रेयांश स्टील, मनोज सोगानी, चंचल जैन, रमेश बाकलीवाल, चन्द्रप्रकाश दगदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के प्राचार्य अरुण शास्त्री,कमल रांवका का भी सम्मान किया गया। पाठशाला का संचालन श्रीमती भारती जैन, श्रीमती मनीषा गोधा द्वारा किया गया, पाठशाला की शिक्षिका श्रीमती पूजा कोठारी, श्रीमती सविता पाटनी, श्रीमती पायल फागीवाला, श्रीमती ज्योति जैन द्वारा बच्चों को एक्टिविटी करवाई गई।

श्रद्धालुओं ने लिया मुनि आदित्य सागर मुनिराज ससंघ से आशीर्वाद

आज गुरुवार, 19 जून को प्रतापनगर में होगा तीन संघों के सात संतों का वात्सल्य मिलन-मिलन का दृश्य देखने उमडेगे हजारों श्रद्धालु
शुक्रवार, 20 जून को होगा आदित्य सागर महाराज ससंघ का श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसिद्ध दिगम्बर जैन आचार्य, चर्या शिरोमणि, पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर मुनिराज ससंघ का कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास के लिए इन्दौर से जयपुर की ओर मंगल विहार चल रहा है। बुधवार, 18 जून को मुनि संघ विहार करते हुए टौक रोड़ पर बीलवा स्थित नांगल्या के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुचा जहां गणिनी आर्यिका 105 नंग मति माताजी के सानिध्य में सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा मुनि संघ की भव्य अगवानी की गई। इससे पूर्व मुनि संघ के टौक रोड पर आदीश्वरधाम पहुचने पर भी राजस्थान जैन सभा, राजस्थान जैन युवा महासभा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधकारिणी समिति सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं जैन बन्धुओं ने मुनि संघ की भव्य अगवानी की। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला कार्याध्यक्ष राजेश बडजात्या, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला महामंत्री एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य सुभाष बज, राजस्थान जैन युवा महासभा सांगानेर सम्भाग के अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य चेतन जैन निमोडिया, राजस्थान जैन युवा महासभा सांगानेर सम्भाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य जिनेन्द्र जैन जीतू, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जोन पदाधिकारी अजय गंगवाल, अमन जैन, रवि पाण्डया,विशाल जैन, नीतू जैन मुल्तान, ख्वास जी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोनियान के अध्यक्ष कमल दीवान, महामंत्री संजय गोधा, श्योपुर दिगम्बर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक बाकलीवाल, सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के धर्म चन्द पराणा, मंत्री महेश सेठी, मुनि भक्त दीक्षान्त हाडा, मनीष टोरडी, पूरण मल, सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मुनि संघ को जयकारों के साथ श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर सभी श्रावकों ने मुनि संघ को जयपुर में चातुर्मास के लिए निवेदन किया। मुनि आदित्य सागर महाराज सहित मुनि अप्रमित सागर, मुनि सहज सागर, क्षुल्लक श्रेयस सागर ने सभी श्रावकों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर अपने प्रवचन में मुनि आदित्य सागर ने कहा कि किसी कार्य में आ रही समस्या, अडचन को तूल देने की बजाय कार्य होने के उपायों पर ध्यान देना चाहिए। मुनि श्री ने धर्म वृद्धि का आशीर्वाद देते हुए कहा कि समस्या का समाधान अथवा उपाय ढूंढने से कार्य सरलता से हो जाता है।

आज 19 जून को प्रतापनगर की धरा पर होगा तीन संघों के सात संतों का मिलन

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 8, प्रताप नगर जयपुर की पावन धरा पर गुरुवार , 19 जून को प्रातः दिगम्बर जैन संतो का मंगल प्रवेश एवं महामिलन होगा। श्री जैन के मुताबिक वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 विमल सागर महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्याय 108 ऊर्जयन्त सागर मुनिराज एवं आचार्य शशांक सागर महाराज संघ एवं श्रुत संवेगी श्रमण मुनि 108 आदित्य सागर महाराज ससंघ का महामिलन होगा। प्रातः 7:00 बजे श्रुत संवेगी श्रमण मुनि संघ की मंगल अगवानी टौक रोड़ पर कुम्भा मार्ग द्वार पर की जाएगी। शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश के बाद भामाशाह मार्ग टोंक रोड पर आचार्य शशांक सागर जी महाराज से मिलन होगा। तत्पश्चात दोनो संघ शोभायात्रा के रुप में मुख्य बाजार से होते हुए प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा जहां प्रातः 8:00 बजे पूज्य उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर मुनिराज से दोनों संघों का महामिलन होगा। दिगम्बर जैन धर्म के तीन संघों के सात संतों का भव्य मिलन देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमडेगे। मंदिर दर्शन के बाद मॉं विशुद्धमति संत भवन में धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्म चन्द पराणा वाले एवं मंत्री महेश सेठी के मुताबिक प्रातः 10:00 बजे सभी संतों की आहारचर्या होगी। दिन में सामायिक के बाद शास्त्र चर्चा एवं शंका समाधान के आयोजन होंगे। मुख्य संयोजक जिनेन्द्र जैन जीतू के मुताबिक सायंकाल महा आरती, गुरु भक्ति एवं आनन्द यात्रा के आयोजन होंगे। मुनि आदित्य सागर ससंघ का शुक्रवार, 20 जून को होगा श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश - चांदनी गार्डन में होगी धर्म सभा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर महाराज ससंघ का शुक्रवार, 20 जून को श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा । अध्यक्ष दिलीप पाटनी एवं मंत्री नेमी चन्द बाकलीवाल ने बताया कि प्रातः 6.30 बजे मुनि संघ सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार कर हल्दी घाटी मार्ग होते हुए सैक्टर 64 के 67/38 पर बाकलीवाल सदन पहुंचेगे जहां समाज बन्धुओं एवं समाज के पूर्व अध्यक्ष मुनि भक्त अशोक - प्रेम लता बाकलीवाल, अंकित - दिव्या, देवांश बाकलीवाल परिवार द्वारा मुनि संघ की भव्य अगवानी की जाएगी। इस मौके पर बाकलीवाल परिवार जोबनेर वाले, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनो द्वारा पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की जाएगी। तत्पश्चात मुनि संघ सैक्टर 64 के चौराहे स्थित अल्प बचत कार्यालय के बाहर पहुंचेगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के सांगानेर सम्भाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि सैक्टर 64 का चौराहा स्थित अल्प बचत कार्यालय से मुनि श्री ससंघ का गाजों बाजों के साथ विशाल जुलूस रवाना होगा। जिसमें महिल मण्डल, युवा मण्डल के सदस्यों सहित जयपुर महानगर से हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। मंगल प्रवेश जुलूस के चांदनी गार्डन पहुचने पर प्रबंधकारिणी समिति द्वारा पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की जाएगी। जुलूस में महिला मण्डल की सदस्याऐं सिर पर मंगल कलश लेकर चलेगी। चांदनी गार्डन में धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन, जिनवाणी भेंट के बाद मुनि श्री के मंगल प्रवचन होंगे। तत्पश्चात मुनि संघ का मंदिर दर्शन के बाद संत भवन में मंगल प्रवेश होगा ।